साक्षात्कार

बुजुर्ग साइबर अपराधियों के आसान टारगेट

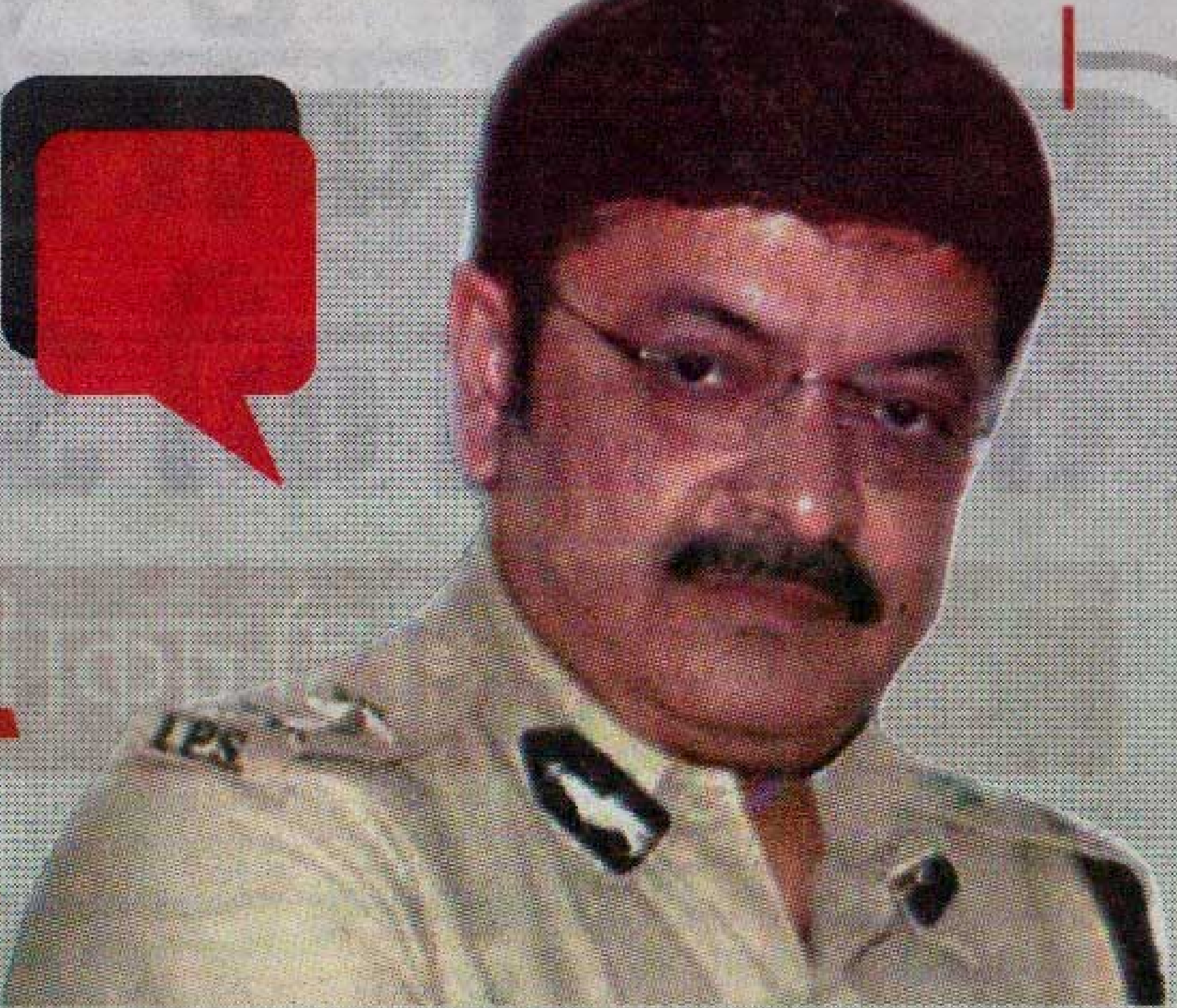

5000 कर्मचारियों सहित 28000 आम लोगों को सिखाए वर्चुअल दुनिया के बदमाशों से बचने के तरीके

राहुल दवे

नारकोटिक्स विभाग के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक 33 हजार से ज्यादा लोगों को साइबर अपराध से बचने के गुर सिखा चुके हैं। हम बात कर रहे हैं आईपीएस वरुण कपूर की जो आईजी रेडियो से हाल ही में पदोन्नत हो चुके हैं। समाज के लोगों के लिए बेहतर पुलिसिंग के रूप में हमेशा नया करने का जज्बा रखने वाले कपूर का कहना है कि बुजुर्गों को सचेत कर साइबर अपराध का बड़ा ग्राफ कम किया जा सकता है। संझा लोकस्वामी से कपूर ने साइबर अपराध के मुद्दे पर खास चर्चा की।

■ सवाल- साइबर अपराध कितना बड़ा खतरा है?

दो तरह की दुनिया आज के दौर में हो गई है। एक जिसमें हम जी रहे है और दूसरी साइबर दुनिया, यानी वर्चुअल वर्ल्ड। उनके अनुसार हम जिस दुनिया में जी रहे हैं, वहां अगर अपराध होता है तो सामने दिखता है, लेकिन दूसरी दुनिया इसके विपरीत है। अपराध होगा, लेकिन खतरा सामने दिखाई नहीं देता। उनके अनुसार आम लोग इस दुनिया में जीना चाहते हैं, उनके खिलाफ साइबर अपराधी हरकतें भी करते हैं, लेकिन लोगों को पता ही नहीं चल पाता, क्योंकि वह इसके आदी नहीं होते, जो एक बड़ा चैलेंज है।

■ रेडियो पुलिस प्रमुख होने के नाते आपने इस तरह के अपराधों से बचाव के लिए क्या प्रयास किए?

प्रयोग करने के लिए जाने जाते है। यही वजह है कि उन्हें विभाग में जिस भी क्षेत्र का प्रभार मिला, वह वहां नई चीजें लाकर काम करने लगे। रेडियो विभाग के मुखिया रहते उन्होंने पुलिस में नया कोर्स शुरू करवाया, जिसमें विभाग के लोगों को नए चैलेंज यानी साइबर अपराध के बारे में पढ़ाया जाता है। अब तक उनके द्वारा तैयार कोर्स से 5000 से ज्यादा पुलिसकर्मी वर्चुअल वर्ल्ड की न केवल जानकारी ले चुके हैं, बल्कि इस दुनिया में होने वाले अपराधों और उन्हें रोकने के तरीके भी सिख चुके है। देशभर में कपूर को ट्रेनिंग के लिए बुलाया जाता है। कई प्रदेशों के अधिकारी उनसे सीखने इंदौर आ चुके हैं। इनमें कई आर्मी अफसर भी शामिल हैं। इसके अलावा स्कूल, कॉलेज और अन्य जगहों पर करीब 28 हजार लोगों को सीधे तौर पर साइबर क्राइम और इससे बचने की जानकारी दे चुके हैं।

■ विदेश में बैठे साइबर अपराधी कितने घातक है?

के साइबर अपराध को रोकने, अपराधियों को पकड़ने में सक्षम है, लेकिन फिर भी चैलेंज विदेश में बैठे अपराधी हैं। उन्होंने एक एटीएम हैकर गैंग के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि गैंग को रशिया में बैठा व्यक्ति ऑपरेट कर रहा था। भारत में अपराध करने वाले अपराधियों को तो यहां की पुलिस पकड़ सकती है, लेकिन विदेशी अपराधियों के लिए प्रक्रिया जटिल हो जाती है।

■ आम जनता किस तरह से बच सकती है इस तरह के अपराधों से?

साइबर अपराध से बचने का एक ही तरीका मानते हैं आईपीएस वरुण कपूर। उनके मुताबिक सावधानी बरतकर ही वर्चुअल दुनिया के अपराध से बचा जा सकता है। उन्होंने इसके लिए पांच टिप्स दिए। सुरक्षा की मानसिकता, लालच से बचना, जानकारी, कुछ भी करने से पहले सोचे और साइबर स्पेस पर अनावश्यक भरोसा न करें। कपूर के अनुसार आज साइबर अपराधियों के सबसे आसान टारगेट 50 साल की उम्र पर आसानी से भरोसा कर लेते हैं, उनका भरोसा ही साइबर अपराधियों की सबसे बड़ी जीत है। कपूर के मुताबिक आज समय बच्चों को अपने माता-पिता द्वारा इन चीजों के बारे में जानकारी देने का है। अगर बुजुर्ग सचेत हो गए तो साइबर अपराधियों के हौसले आधे पस्त हो जाएंगे।

■ ऐसा कोई केस जिसे सुलझाने की आज भी इच्छा हो?

महिलाओं, बच्चों और पुलिस के हाथ मजबूत करने के लिए कई कमेटियों का गठन कर चुके कपूर की एक रुचि पुराने अनसुलझे मामलों को सुलझाने में भी है। उन्होंने कुछ साल पहले ऑपरेशन उजागर नाम से एक मुहिम छेड़ी थी, जिसमें हत्या के अनसुलझे मामले सुलझाने का काम किया था। कपूर के नाम 99 अनसुलझे केस सॉल्व करने का रिकॉर्ड है। आज भी वह मौका मिलने पर फिर इस तरह का काम करना चाहते हैं। इंदौर में 20 साल पहले हुए एक व्यापारी और उसके मुनीम की हत्या का केस न सुलझा पाना उनकी